एक अप्रैल से 19 पवित्र क्षेत्रों में बंद होंगी शराब दुकानें, अधिसूचना जारी

भोपाल(काप्र)।

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा राज्य के 19 पवित्र क्षेत्रों में शराबबंदी के फैसले पर अमल शुरू हो गया है। इन क्षेत्रों में एक अप्रैल से शराब दुकानें बंद कर दी जाएंगी। इसके लिए अधिसूचना भी जारी कर दी गई है।

राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने पिछले दिनों 19 नगरीय और ग्रामीण इलाकों के पवित्र क्षेत्र में पूर्ण शराबबंदी का ऐलान किया था। इस फैसले पर अमल करते हुए राजभवन से अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। इसके मुताबिक राज्य के 13 नगरीय और छह ग्रामीण निकायों में संचालित शराब दुकानें एक अप्रैल से बंद की जाएंगी। राजभवन की ओर से जारी की गई अधिसूचना के अनुसार 19 पवित्र क्षेत्र में शराबबंदी की गई है, जिसमें उज्जैन नगर निगम, ओंकारेश्वर नगर पंचायत, महेश्वर नगर पंचायत, मंडलेश्वर नगर पंचायत, ओरछा नगर पंचायत, मैहर नगर पालिका, चित्रकूट नगर पंचायत, दतिया नगर पालिका, पन्ना नगर पालिका, मंडला नगर पालिका, मुलताई नगर पालिका, मंदसौर नगर पालिका, अमरकंटक नगर पंचायत, सलकनपुर ग्राम पंचायत, बरमान कला ग्राम पंचायत, लिंगा ग्राम पंचायत, बरमान खुर्द ग्राम पंचायत, कुंडलपुर ग्राम पंचायत और बांदकपुर ग्राम पंचायत शामिल हैं। अधिसूचना के मुताबिक 1 अप्रैल से इन सभी निकायों में किसी प्रकार के बार और वाइन आउटलेट के लाइसेंस नहीं दिए जाएंगे और इनके संचालन की भी अनुमति नहीं होगी। इतना ही नहीं, इन निकायों में बंद की जाने वाली मदिरा दुकानों को अन्यत्र विस्थापित नहीं किया जाएगा। राजभवन की ओर से जारी की गई अधिसूचना में जिन जिलों में यह पवित्र क्षेत्र हैं और मदिरा दुकानें बंद करने का फैसला हुआ है, उसके लिए प्रावधान किए गए हैं। यह नई व्यवस्था एक अप्रैल से लागू की जाने वाली है। अब अधिसूचना भी जारी की जा चुकी है। यह व्यवस्था 31 मार्च 2026 तक के लिए लागू की गई है।

वन विहार में एशियाई सिंह को देख सकेंगे पर्यटक

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजधानी के वन विहार में एशियाटिक सिंहों के आगमन के बाद अब पर्यटकों द्वारा सिंहों को देखने की व्यवस्था प्रारंभ होने का स्वागत किया है। उन्होंने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि मप्र में वन्य प्राणी आदान-प्रदान योजना के अंतर्गत लगभग दो महीने पहले जूनागढ़, गुजरात से लाये गये एशियाटिक सिंह को भोपाल के वन विहार में क्वारेन्टाइन बाड़े से पर्यटकों के अवलोकन के लिए छोड़ दिया गया है। अब यहां आने वाले स्थानीय और देशी-विदेशी पर्यटक इनकी दहाड़ सुनने के साथ इनके विचरण का अनोखा आनंद भी ले सकेंगे। प्रदेश में वन्य प्राणी पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ ही वन्य जीवों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। इस दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। एशियाई सिंह गुजरात में ही पाए जाते हैं।

निवेशक महाकुंभ में होगा देश-विदेश के उद्यमियों का समागम

भोपाल(काप्र)।

भारत का हृदय मध्यप्रदेश, समृद्ध अर्थव्यवस्था, विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर, राज्य सरकार की निवेशक-अनुकूल नीतियों और विशेष प्रोत्साहन योजनाओं के साथ निवेश के असीमित अवसरों की उपलब्धता से देश-विदेश के उद्यमियों के लिए निवेश का प्रमुख स्थल बन गया है।

देश-विदेश के उद्यमियों को निवेश के अवसरों से रूबरू कराने के उद्देश्य से राजधानी में दो दिवसीय जीआईएस-2025 का आयोजन किया जा रहा है। इसका शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। इस महाकुंभ में दुनिया भर से आने वाले निवेशकों का समागम होगा। व्यापार और उद्योग अनुकूल माहौल बनाने के लिये प्रतिबद्ध मध्यप्रदेश सभी उद्यमियों के लिए निवेश के अपार अवसर और उसके बाद दीर्घकालिक विकास सुनिश्चित करने के प्रति संकल्पित है। मध्यप्रदेश पर्यटन, फार्मास्युटिकल्स, ऑटोमोबाइल, खनन, डेयरी और खाद्य प्र-संस्करण जैसे क्षेत्रों के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। मध्यप्रदेश एक्सपोर्ट प्रिपेअर्डनेस इंडेक्स में देश के शीर्ष-10 राज्यों में और विश्व बैंक द्वारा आयोजित ईज़-ऑफ-डूइंग बिज़नेस में चौथे स्थान पर है। दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के प्रभाव क्षेत्र में आने से मध्यप्रदेश में लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक विकास के असीम अवसर उपलब्ध हैं। मजबूत रेल और सड़क नेटवर्क के अलावा राज्य में 6 व्यावसायिक एयरपोर्ट हैं, जहां से 100 से अधिक उड़ानें संचालित होती हैं। इससे यहां राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आवागमन सुगम हुआ है।

प्रदेश में कोयला, हीरा, तांबा, लौह अयस्क और ग्रेफाइट जैसे महत्वपूर्ण खनिज संसाधनों का भण्डार है। प्रदेश तांबा, मैंगनीज, मोलिब्डेनम और हीरे का देश का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है। राज्य में 8 फूड पार्क, लगभग 15 मिलियन मीट्रिक टन की वेयरहाउसिंग क्षमता और 3 लाख 54 हजार वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र कवर करने वाले कोल्ड-स्टोरेज के साथ मध्यप्रदेश उद्योगों के लिए एक आकर्षक निवेश स्थल बनता जा रहा है। मध्यप्रदेश में निवेशकों के लिए 1.25 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र की औद्योगिक भूमि-बैंक है। इसमें से 19,011 हेक्टेयर क्षेत्र उद्योगों के लिए पहले ही विकसित किए जा चुके हैं। राज्य में 76 विकसित, 19 विकासाधीन और 13 प्रस्तावित भूमि-बैंक हैं, जो 5 ग्रोथ सेंटर्स में फैले 79 भूखंडों में वितरित हैं। राज्य में 6 प्रमुख ड्राई इनलैंड कंटेनर डिपो हैं, इनकी वेयरहाउसिंग क्षमता 240 लाख मीट्रिक टन है। मध्यप्रदेश ऊर्जा सरप्लस राज्य है।

मध्यप्रदेश ने अपने सड़क नेटवर्क के विकास में महत्वपूर्ण प्रगति की है। राज्य में 5 लाख किलोमीटर से अधिक लंबाई का सड़क नेटवर्क है, जिसमें 46 राष्ट्रीय राजमार्ग शामिल हैं। यह देश के राष्ट्रीय राजमार्गों का 6.6त्न और राज्य-राजमार्गों का लगभग 6.4त्न है। राज्य में प्रतिदिन 550 से अधिक ट्रेनों का संचालन होता है। इसके साथ ही 2,32,344 किलोमीटर लंबी ग्रामीण सड़कों के साथ, मध्यप्रदेश 5वां सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क वाला राज्य है।

राज्य में अटल प्रोग्रेस-वे और नर्मदा एक्सप्रेस-वे के साथ ही दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारा, पीथमपुर-धार-महू, रतलाम-नागदा, शाजापुर-देवास, और नीमच-नयागांव जैसे औद्योगिक एवं निवेश क्षेत्रों का निर्माण किया गया है। औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए मध्यप्रदेश में 4 निवेश गलियारों का विकास किया जा रहा है।

श्री टेक डेटा लिमिटेड के सीईओ ने मध्यप्रदेश में 9100 करोड़ के निवेश का दिया प्रस्ताव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से शुक्रवार को श्री टेक डेटा लिमिटेड कंपनी के सीईओ विजय आनंद ने भेंट की। उन्होंने प्रदेश में डेटा सेंटर, ग्रीन हाइड्रोजन, सौर ऊर्जा और ट्रांसमिशन सेक्टर में निवेश की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत कर 9100 करोड़ रूपये के निवेश का प्रस्ताव दिया। श्री टेक डेटा लिमिटेड ने इंदौर में 4 हजार करोड़ रूपये की लागत से डेटा सेंटर स्थापित करने, बीना (सागर) में 3 हजार करोड़ रूपये की लागत से ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट विकसित करने, उज्जैन में 600 करोड़ रूपये के निवेश से सोलर पॉवर यूनिट स्थापित करने और उज्जैन में ही बिजली ट्रांसमिशन एवं वितरण अवसंरचना के लिए 1500 करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव दिये। बैठक में जिला उद्योग केंद्र भोपाल के जीएम कैलाश मानेकर भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश निवेशकों के लिए देश के सबसे अनुकूल स्थलों में से एक बन चुका है। मजबूत बुनियादी ढांचे, सुलभ नीतियों और अनुकूल औद्योगिक वातावरण होने से वैश्विक कंपनियाँ प्रदेश में निवेश के लिए आकर्षित हो रही हैं। श्री टेक डेटा लिमिटेड के सीईओ आनंद ने कहा कि यह निवेश प्रदेश में डिजिटल और हरित ऊर्जा क्रांति को गति देगा, जिससे अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे का विकास होगा और हजारों नए रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

बड़े दावे नहीं करता, 4 साल बाद आप ही मेरा आंकलन करें: तिवारी

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विवि की ख्याति पूरे देश में हैं, यहां के विद्यार्थी देश के प्रमुख मीडिया घरानों में अपनी प्रतिभा का परिचय दे रहे हैं। विवि को यह स्थान दिलाने में मेरे पूर्ववर्ती लोगों की अहम् भूमिका रही है। मेरा भी प्रयास होगा कि विवि की इसी छवि को और निखार सकूं।

यह कहना है माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के नवागत् कुलगुरु विजयमनोहर तिवारी का। वे शनिवार को माधवराव सप्रे संग्रहालय में आयोजित 'संवाद' कार्यक्रम में प्रबुद्ध जनों से चर्चा कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वेद मर्मज्ञ डॉ. प्रभुदयाल मिश्र कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्थान में 'नया' करने के लिए बहुत कुछ रहता है। यहां भी ऐसी ही अनेक संभावनायें हैं।

उन्होंने पूरी साफगोई से कहा कि मैं आज इस बात के दावे नहीं करता कि बहुत कुछ बदल दूंगा लेकिन कोशिशें जारी रहेंगी। मेरी नियुक्ति चार साल के लिए हुई है, इसके बाद मेरा आंकलन आप ही करेंगे। श्री तिवारी ने कहा कि पत्रकारिता की पढ़ाई पूरी करने के बाद में चाहता दिल्ली चला जाता, लेकिन मैं चाहता था कि ऐसे अखबार में काम करुं जो गांवों तक जाता हो। ऐसा समाचार

पत्र मुझे 'नईदुनिया' ही लगा। यहां रह कर मैंने केवल लिखना ही नहीं पत्रकारिता के सिद्धांतों को भी जाना-समझा। कुछ समय इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में भी रहा इसके बाद पुन: प्रिंट मीडिया ही भाया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रभुदयालु मिश्रा ने कहा कि श्री तिवारी को जो यह जिम्मेदारी मिली है वह उनकी निर्भीक लेखनी का ही प्रतिसाद है। उन्होंने वेदों का उदाहरण देते हुए कहा कि पत्रकारिता भी सनातन ही है। एक पत्रकार की दृष्टि रहस्य दृष्टि होनी चाहिए। आरंभ में संग्रहालय के संस्थापक निदेशक विजयदत्त श्रीधर ने तिवारी का परिचय देते हुए कहा कि यह जहां भी रहे हर कार्य को चुनौती के रूप में लिया है। जिस तरह की सकारात्मक दृष्टि से इन्होंने सूचना आयुक्त के रूप में नये मानदंड स्थापित किये वही मानदंड विवि में भी गढ़ेंगे। इसके पूर्व संग्रहालय के वरिष्ठ सदस्य रामाश्रय रत्नेश ने सरस्वती प्रतिमा तथा कलम देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन संग्रहालय के निदेशक अरविंद श्रीधर ने किया।

इस अवसर पर पत्रकारिता विवि के शिक्षकगण, विद्यार्थी, पत्रकारगण एवं अन्य प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

अभा पुलिस वॉटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता कल से

भोपाल(काप्र)। अखिल भारतीय स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा इस वर्ष 24वीं अखिल भारतीय पुलिस वॉटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता का आयोजन मध्यप्रदेश पुलिस की मेजबानी में 17 से 21 फरवरी तक स्थानीय बोट क्लब, बड़ा तालाब में किया जा रहा है।

इस अवसर पर कुल 22 राज्यों, केन्द्रशासित प्रदेशों तथा केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के कुल 557 प्रतिभागियों द्वारा इस प्रतियोगिता में भाग लिया जावेगा, जिनमें 123 महिला खिलाडी सम्मिलित है। प्रतियोगिता में मेजबान मप्र पुलिस के अतिरिक्त असम, मणिपुर, बिहार, उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, पंजाब, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, ओडिशा, केरल, सीआरपीएफ, एसएसबी, बीएसएफ, असम राईफल्स, आईटीबीपी, अण्डमान एवं निकोबार एवं चण्डीगढ के कुल 22 टीमों के खिलाड़ी भाग ले रहे है। पूर्व में वर्ष 2005, 2007, 2013, 2017 एवं 2019 में भी मप्र पुलिस द्वारा इन प्रतियोगिताओं की मेजबानी की गई है। वर्ष 2002 में ऑल इन्डिया पुलिस स्पोर्ट्स कन्ट्रोल बोर्ड द्वारा पुलिस खेलों में वॉटर स्पोर्ट्स को सम्मिलित किया गया, जिसमें मध्यप्रदेश पुलिस के द्वारा अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए 12 स्वर्ण, 3 रजत तथा 6 कांस्य पदक अर्जित किये गये।

मप्र पुलिस की अखिल भारतीय पुलिस खेल स्पर्धाओं में मेजबानी का तथा वॉटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता में गौरवशाली इतिहास रहा है। साथ ही भारतीय क्याकिंग एवं केनोइंग एसोसिएशन तथा रोइंग फेडरेशन ऑफ इण्डिया द्वारा अपने उच्च स्तरीय राष्ट्रीय अम्पायरों तथा ऑफिशियल्स की उपलब्धता सुनिश्चित की है ताकि प्रतियोगिता को परम्परा अनुसार भव्यता प्रदान की जा सके। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ मोहन यादव, मुख्यमंत्री द्वारा 17 फरवरी को बोट क्लब पर किया जावेगा। प्रतियोगिता के सुगम संचालन हेतु खेल एवं युवा कल्याण विभाग का भी व्यापक तथा सतत सहयोग प्राप्त किया जा रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय रामायण सम्मेलन 22 मार्च से भोपाल में

भोपाल (काप्र)। तुलसी मानस प्रतिष्ठान और रामायण केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में तृतीय अन्तरराष्ट्रीय रामायण सम्मेलन का आयोजन 22-23 मार्च को मानस भवन, श्यामला हिल्स पर होने जा रहा है। सम्मेलन के संरक्षक एवं तुलसी मानस प्रतिष्ठान के कार्याध्यक्ष रघुनंदन शर्मा के मार्गदर्शन में विधिवत समितियों का गठन किया गया है।

संयोजक प्रो. राजेश श्रीवास्तव निदेशक रामायण केन्द्र ने बताया कि रामायण सम्मेलन का केंद्रीय विषय भारतीय ज्ञान परंपरा में रामकथा रखा गया है । विषय के उप शीर्षकों में रामकथा के विविध प्रेरक संदर्भ भी सम्मिलित है जिनका चयन प्रतिभागी अपनी रूचि और योग्यता के अनुरूप कर सकते हैं। दो दिवसीय सम्मेलन में देश-विदेश के सौ से भी अधिक शोधार्थियों द्वारा शोध-पत्र प्रस्तुत किए जाने की संभावना है । सम्मेलन में रामायण आधारित प्रदर्शनी, पुस्तकों का लोकार्पण, सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे तथा संत समागम भी होगा । इस अवसर पिछले सम्मेलन में पढ़े गए शोध पत्रों पर आधारित स्मारिका का प्रकाशन भी किया जाएगा । प्रतिभागियों के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि 28 फरवरी तथा पूर्ण शोधपत्र जमा करने की अंतिम तिथि 15 मार्च निर्धारित की गई है । प्रतिभागिता हेतु सम्पूर्ण जानकारी संयोजक प्रो. राजेश श्रीवास्तव (निदेशक रामायण केन्द्र), आयोजन सचिव देवेन्द्र कुमार रावत (सम्पादक तुलसी मानस भारती)तथा कैलाश जोशी सचिव, तुलसी मानस प्रतिष्ठान से प्राप्त की जा सकती है ।

सिंघार स्वयं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों पर जवाब दें: अग्रवाल

भोपाल(काप्र)। भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल ने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की पत्रकार-वार्ता पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आज कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार द्वारा पुनः झूठ का झुनझुना बजाने का कुत्सित प्रयास किया गया है। यह कितना हास्यास्पद और विरोधाभासी है कि जो उमंग सिंघार स्वयं विभिन्न आरोपों से घिरे हों, वह आज दूसरों पर आरोप लगा रहे हैं।

ये वही उमंग सिंघार हैं, जो 15 महीने की कमलनाथ सरकार के दौरान अपने ही मंत्रालय में खरीद-फरोख्त और ट्रांसफर-पोस्टिंग जैसे अनेकों मामलों में भ्रष्टाचार के आरोप में घिरे रहे हैं। जब सिंघार झारखंड कांग्रेस के प्रभारी सचिव बने, तो वहां पर टिकट बेचने के आरोप स्वयं कांग्रेस नेताओं ने लगाये थे। ये वही सिंघार हैं, जो कभी अपने ही पार्टी के नेता व पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को शराब माफिया, रेत माफिया, ब्लैकमेलर बताते थे और आज उनके साथ मंच साझा करते हैं। श्री सिंघार भ्रष्टाचार और व्यभिचार के जो आरोप लगे हैं उनका जवाब दें। श्री अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार का पर्याय और पर्यायवाची है। सी फॉर कांग्रेस-सी फॉर करप्शन। कांग्रेस के प्रथम परिवार के सभी लोग राहुल गांधी, सोनिया गांधी, प्रियंका और जीजा जी भ्रष्टाचार के गंभीर मामलों में या तो जमानत पर हैं या अदालतों, जांच एजेंसियों के दफ्तरों के चक्कर लगा रहे हैं। ऐसी कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलने वाली भाजपा को भ्रष्टाचार रोकने का पाठ पढ़ा रही है। उसे याद रखना चाहिए इस समय देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मध्यप्रदेश में डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली भाजपा की सरकारें हैं। ये सरकारें तथा जांच एजेंसियां गंभीरतापूर्वक भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई कर रही हैं और किसी भी भ्रष्टाचारी को छोड़ा नहीं जाएगा।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के आरोप कितने विरोधाभासी हैं, इसका अंदाज एक छोटी सी बात से लगाया जा सकता है। कांग्रेस ने जो दस्तावेज दिखाये हैं, उनमें एक कांग्रेस नेता का ही नाम आ रहा है। उमंग सिंघार को यह बताना चाहिए कि कमलेश बघेल से कांग्रेस का क्या नाता है, वह किस गुट से आते हैं? सिर्फ आपसी बैर निकालने के लिए उमंग सिंघार उनका नाम ले रहे हैं। श्री अग्रवाल ने कहा कि यह देश बाबा साहब के बनाए संविधान से चलता है, कांग्रेस के प्रथम परिवार की लिखी हुई किसी किताब से नहीं चलता। कांग्रेस के पास अगर कोई तथ्य हैं, तर्क हैं, तो उसे जांच एजेंसियों को सौंपना चाहिए और उन्हें न्याय प्रक्रिया में शामिल कराना चाहिए। कांग्रेसियों के पास इतने बड़े-बड़े वकील हैं, वो अदालत का भी दरवाजा खटखटा सकते हैं। सिर्फ सुर्खियों में बने रहने के लिए इस तरह की बयानबाजी करना निंदनीय है। उन्होंने कहा कि असल में कांग्रेसियों को डर है कि कमलनाथ सरकार के समय जो भ्रष्टाचार होता था, इसकी जांच कहीं उन तक न पहुंच जाए। श्री अग्रवाल ने कहा कि सिर्फ और सिर्फ राजनीतिक सुर्खियां बटोरने के लिए सिंघार और जीतू पटवारी जैसे नेता आपस में ही लड़ रहे हैं। तथ्यहीन, तर्कहीन और कूटरचित दस्तावेजों पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने जो पत्रकारवार्ता की है, वह सिर्फ सुर्खियां बटोरने का एक और प्रयास है।

परिवहन घोटाले की निष्पक्ष जांच हो: उमंग सिंघार

भोपाल। मध्य प्रदेश में हो रहे घोटालों और सरकार की चुप्पी को लेकर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जीरो टॉलरेंस की बात करते हैं, लेकिन मध्य प्रदेश में घोटाले दर घोटाले हो रहे हैं, और विधानसभा में इन पर कोई चर्चा नहीं होती। सिंघार ने परिवहन घोटाले का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें मंत्री, अधिकारी और ठेकेदारों की मिलीभगत से हर साल 1500 करोड़ रुपये की अवैध वसूली होती रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार इस घोटाले को दबाने का प्रयास कर रही है और अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि सौरभ शर्मा के यहाँ से मिले दस्तावेजों की जाँच नहीं हुई, उनकी गिरफ्तारी 41 दिन बाद हुई। सौरभ शर्मा के फोन का सीडीआर जारी नहीं किया, जिससे कई बड़े नेताओं और अधिकारियों के नाम उजागर हो सकते हैं। गोविंद राजपूत इस पूरे रैकेट को सँभालते थे, उनके कार्यालय में ही सारी डीलिंग होती थी। 2023 में 134 करोड़ की संपत्ति को शपथ पत्र में छुपाया। ज्ञान वीर समिति के नाम पर दान की आड़ में ज़मीनों की हेराफेरी की गई। सिंघार ने साफ कहा कि इस घोटाले की निष्पक्ष जाँच होनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी घोषणा की कि भोपाल में प्रधानमंत्री श्री मोदी को इस मामले की शिकायत सौंपेंगे। प्रदेश कांग्रेस ने मांग की है कि इस घोटाले की उच्चस्तरीय जाँच हो और भ्रष्टाचार में लिप्त सभी नेताओं और अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए। कांग्रेस प्रदेश की जनता के हित में इस लड़ाई को हर स्तर पर लड़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रदेश में बुनियादी साक्षरता मूल्यांकन आज, 17 लाख नवसाक्षर होंगे शामिल

भोपाल। प्रदेश के समस्त जिलों में संचालित उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम में बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता परीक्षा का आयोजन रविवार 16 फरवरी को किया जा रहा है। परीक्षा में लगभग 17 लाख से अधिक नवसाक्षर शामिल होंगे। केन्द्र सरकार के निर्देशानुसार 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के निरक्षर व्यक्तियों को बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान प्रदान कर साक्षर करने के लिये उल्लास-नवभारत साक्षरता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों के अनुसार प्रदेश में साक्षरता दर बढ़ाने के लिये 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के ऐसे निरक्षर को साक्षर करने के लिये उल्लास-नवभारत साक्षरता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। यूनेस्को की परिभाषा अनुसार जिन लोगों में मुद्रित एवं लिखित सामग्री का उपयोग करके पहचानने, समझने, व्याख्या करने, बनाने, संवाद करने और गणना करने की क्षमता नहीं है, उन्हें साक्षर करने के लिये देशभर में यह कार्यक्रम वर्ष-2022 से वर्ष-2027 तक संचालित किया जा रहा है। परीक्षा में शामिल होने वाले नवसाक्षर वह शिक्षार्थी होते हैं, जिन्हें सर्वे के माध्यम से चिन्हांकित किया गया हो और उन्होंने राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण द्वारा आईपीसीएल पद्धति से तैयार की गई उल्लास-अक्षर पोथी प्रवेशिका से अध्ययन कार्य किया हो।

स्पेशल खबर *सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग की अनूठी पहल...*

नरेला के सभी वार्डों में घर-घर प्रयागराज से लाए गंगाजल वितरण का किया शुभारंभ

भोपाल(काप्र)।

सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग की अनूठी पहल उन्होंने शनिवार को नरेला विधानसभा क्षेत्र में प्रयागराज महाकुंभ से लाए गए पवित्र गंगाजल के वितरण का शुभारंभ किया।

श्री सारंग ने गंगाजल वितरण हेतु विशेष रूप से तैयार रथों का पूजन-अर्चन कर रवाना किया। उन्होंने वार्ड 69 के अशोका गार्डन, वार्ड 37 में द्वारका नगर एवं वार्ड 76 में पहुंचे और नागरिकों के घर-घर जाकर पवित्र गंगाजल वितरित किया। इस अभियान के अंतर्गत नरेला विधानसभा के सभी 17 वार्डों में घर-घर गंगाजल वितरण किया गया, ताकि जो श्रद्धालु प्रयागराज महाकुंभ नहीं जा सके, वे भी इस पवित्र जल का लाभ उठा सकें। श्री सारंग ने कहा कि महाकुंभ हमारे सनातन धर्म का सबसे बड़ा और पवित्र धार्मिक आयोजन है, जिसमें करोड़ों श्रद्धालु देश-विदेश से आकर पुण्यलाभ अर्जित करते हैं। इस महापर्व का महत्व

अनादिकाल से स्थापित है। उन्होंने नरेला के 17 वार्डों में प्रयागराज महाकुंभ के गंगाजल का घर-घर वितरण किया। इस दौरान सभी कार्यकर्ताओं ने गंगाजल वितरण रथ व ढोल नंगाड़ों के साथ नागरिकों के घर-घर दस्तक देकर गंगाजल वितरित किया। पहले दिन लगभग 23 हजार 635 घरों में नि:शुल्क गंगाजल पहुंचाया गया।

इस आयोजन को लेकर नागरिकों में भारी उत्साह देखा गया। जगह-जगह पुष्प वर्षा कर गंगाजल का स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं ने गंगाजल प्राप्त करने के पश्चात आरती कर इसे श्रद्धापूर्वक ग्रहण किया और श्री सारंग के प्रति आभार व्यक्त किया। अशोका गार्डन निवासियों ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महाकुंभ हम सभी की आस्था का महापर्व है, हम प्रयागराज जाने में असमर्थ थे। महाकुंभ के पवित्र गंगाजल का घर-घर वितरित करना अति सराहनीय व अनूठी पहल है। कार्यक्रम में महापौर श्रीमती मालती राय, स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में रहवासी उपस्थित रहे।

युवाओं के लिए उद्यमिता पूर्व परामर्श कार्यशाला

श्री सारंग ने कहा है कि युवा देश की पूंजी है, वह देश के नवनिर्माण में सहभागी बने। युवा केवल अपने लिये नहीं, परिवार के लिए नहीं राष्ट्र और समाज के लिये कार्य करें। मंत्री श्री सारंग शनिवार को ब्रिज युवा कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशल कान्वेशन हॉल में पूर्व परामर्श युवाओं के लिये उद्यमिता कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

श्री सारंग ने कहा कि जब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर टेक्नोलॉजी की बात होती है तो भारत देश उसमें सबसे पहले आता है। चाहे वह पर्यावरण संरक्षण हो या दुनिया की अर्थ-व्यवस्था या फिर दुनिया भर में शांति आंदोलन आज का युवा उसमें सहभागी बने और देश के नवनिर्माण में सार्थक आहूति दे। युवाओं की सहभागिता से विकसित और शक्तिशाली देश का निर्माण होगा। उन्होंने युवा विकास, सहकारी पहल और उद्यमिता को बढ़ावा देने अपना दृष्टिकोण युवाओं को बताया। मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी, जीसीटीसी (नॉलेज पार्टनर) के सहयोग से इस कार्यक्रम में उभरते स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र पर नीति निर्माताओं और उद्योग विशेषज्ञों के साथ पैनल चर्चा हुई। स्टार्ट-अप शोकेस में एग्रीटेक, फिनटेक, ग्रीन एनर्जी, एआई और ई-कॉमर्स में नवाचारों को प्रदर्शित किया गया। उभरते उद्योगों में चुनौतियों और अवसरों पर युवा उद्यमियों के साथ इंटरैक्टिव सत्र हुआ। विचार-आधारित प्रतियोगिता जिसमें चयनित छात्रों ने एक प्रतिष्ठित पैनल के समक्ष अपनी व्यावसायिक अवधारणाएं प्रस्तुत की।

युवा मामले विभाग, युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार, युवा उद्यमियों को सशक्त बनाने तथा नवाचार और नीति विकास पर सार्थक चर्चा को बढ़ावा देने के लिए एक राष्ट्रीय पहल के हिस्से के रूप में उद्यमिता पूर्व-परामर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में अनूप कृष्णन ने आभार माना।